संवाद पत्र
पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 19 | वर्ष : पंचम | त्रैमासिक | जुलाई, 2011

रेल सप्ताह समारोह, 2011 का आयोजन

श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक,पू. सी. रेल और श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

पूर्वोत्तर सीमा रेल व निर्माण संगठन का 56 वां क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह दिनांक 13.04.2011 को रंग भवन, मालीगांव में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/नि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने उत्कृष्ट सेवा हेतु निर्माण संगठन को कुल 54 व्यक्तिगत नकद पुरस्कार एवं 4 सामूहिक नकद पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में इंजीनियरी शील्ड संयुक्त रूप से उप मुख्य इंजीनियर/नि/न्यू जलपाईगुड़ी तथा उप मुख्य इंजीनियर/नि/अलीपुरद्वार को और गैर-इंजीनियरी शील्ड संयुक्त रूप से वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि तथा उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि-। को प्रदान की गई।

रेलवे बोर्ड में कार्य समीक्षा बैठक

रेलवे बोर्ड में 21 अप्रैल, 2011 को आयोजित कार्य समीक्षा बैठक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I और II, सम्मिलित हुए, जिसमें 2011-12 के लक्षित कार्यों को पूरा करने के लिए कार्य योजना तथा 2010-11 के लिए लक्षित परियोजनाओं के शुभारंभ हेतु कार्य योजना की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए निदेशों पर वर्ष 2010-11 एवं 2011-12 की लक्षित परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। अब 110 कि.मी. आमान परिवर्तन, 58 कि.मी. नई लाइन एवं 30 कि.मी. दोहरीकरण के लिए सी आर एस निरीक्षण करवाने की तैयारी की जा रही है।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना का निरीक्षण

श्री बलवीर सिंह, रेल संरक्षा आयुक्त, पू. सी. सर्किल, कोलकाता ने दिनांक 21-05-2011 को पुल संख्या-24 तथा 26 के नए स्थायी दिक्-परिवर्तन (डाइवर्सन) का निरीक्षण किया। सालछापरा-अरूणाचल स्टेशनों के बीच स्थायी डाइवर्सन पर बीजी के लिए बड़े पुल संख्या-24 एवं 26 निर्मित किए गए। अब इन नव-निर्मित स्थायी बीजी डाइवर्सनों पर एम जी ट्रेन चलेंगी जो लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के लिए एक मील का पत्थर होगा। रेल संरक्षा आयुक्त ने दिनांक 22-05-2011 को अरूणाचल-जिरिबाम सेक्शन, जहाँ आमान परिवर्तन कार्य प्रगति पर है तथा लमडिंग-बदरपुर सेक्शन और बदरपुर से लमडिंग तक आमान परिवर्तन परियोजना का भी निरीक्षण किया। यह भी उल्लेखनीय है कि बदरपुर-सिलचर सेक्शन में पहले ही दो स्थायी डाइवर्सनों को चालू किया जा चुका है।

रेल संरक्षा आयुक्त के साथ श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I, श्री ए. के. दे, उप संरक्षा आयुक्त, कोलकाता, श्री सतीश कोठारी, अपर मंडल रेल प्रबंधक/लमडिंग, श्री वी. पी. श्रीवास्तव, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-IV तथा मुख्यालय एवं लमडिंग मंडल के अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे।

पूर्वोत्तर क्षेत्र की कार्य समीक्षा बैठक

माननीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री बी. के. हैंडिक ने नई दिल्ली में 26-05-11 को लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I/मालीगांव सम्मिलित हुए।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्रीमती विजया कान्त	श्री सुभाष चंद्र रजक	श्री जगन्नाथ	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

भारत रत्न डॉ बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर का जयंती समारोह

जयंती समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि-1

भारत रत्न, डॉ बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के 120 वें जन्म दिन के अवसर पर निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पमाला एवं पुष्पांजलि देकर जयंती समारोह मनाया।

आतंकवाद विरोधी दिवस

शपथ ग्रहण समारोह का दृश्य। (इन्सेट में महाप्रबंधक/नि शपथ दिलाते हुए)

पूर्व प्रधान मंत्री, स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में दिनांक 20.5.2011 को महाप्रबंधक/निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ हिंदी और अंग्रेजी में दिलाई।

पर्मानेंट कॉर्डिनेशन फ्रेम वर्क की बैठक

पूर्वोत्तर में रेल लाइनों की *रिजनल पर्मानेंट कॉर्डिनेशन फ्रेम* वर्क की दूसरी समीक्षा बैठक नारंगी, गुवाहाटी में की गई, जिसकी अध्यक्षता चीफ ऑफ स्टाफ, पूर्व कमान मुख्यालय द्वारा की गई। बैठक के दौरान सामरिक महत्त्व की रेल लाइनों के कार्यों तथा सर्वेक्षणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

मेघालय में रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा

मेघालय में रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा के लिए नव- गठित टॉस्क फोर्स के साथ शिलांग में दिनांक 23-05-11 को बैठक हुई, जिसमें तेतेलिया-बरनीहाट और बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के लिए भू-अधिग्रहण के कारण परियोजनाओं के निर्माण में आ रही समस्याओं को उठाया गया और विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

नए लेखा भवन का उद्घाटन

श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 4.5.2011 को मुख्य भवन के तीसरे तल पर नव-निर्मित लेखा विभाग के कार्यालय भवन का उद्घाटन किया।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण

श्री बलबीर सिंह, रेल संरक्षा आयुक्त, पू. सी. सर्किल, कोलकाता ने दिनांक 19-05-2011 को लमडिंग मंडल के अंतर्गत गुवाहाटी-डिगारू पैंथ दोहरीकरण परियोजना के नव-निर्मित नारंगी से ठाकुरकुची (9.76 कि.मी.) बीजी दोहरी लाइन का निरीक्षण किया।

सर्वप्रथम उन्होंने ठाकुरकुची से नारंगी तक मोटर ट्रॉली निरीक्षण किया तथा इसके बाद सेक्शन को यात्री यातायात के लिए खोलने के लिए नारंगी से ठाकुरकुची तक स्पीड ट्रेन रन का परीक्षण किया। मुख्य संरक्षा आयुक्त के साथ श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I, श्री अजित पंडित, मंडल रेल प्रबंधक/लमडिंग, श्री एस. एस. कालरा, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-II, श्री रजनीश माथुर, सी जी ई/पू. सी. रेल और मुख्यालय तथा लमडिंग मंडल के अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे।

रंगाली बिहु का आयोजन

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 14 से 18 अप्रैल तक मालीगांव रेलवे स्टेडियम में पूर्वोत्तर सीमा रेल, ओपन लाइन तथा निर्माण संगठन ने रंगाली बिहु हर्षोल्लास से मनाया। दिनांक 14 अप्रैल को श्री केशव चन्द्रा, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहु नृत्य के अलावा असम के विभिन्न समुदायों ने अपने-अपने लोक नृत्य भी प्रस्तुत किए।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का दृश्य

मार्च, 2011 को समाप्त तिमाही के लिए क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I की अध्यक्षता में दिनांक 06.06.2011 को आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I ने अपने संबोधन से की। बैठक में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक का संचालन श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक/राजभाषा/निर्माण ने किया और पॉवर प्वाइंट पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-I ने राजभाषा विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और इन्हें आगे भी बनाए रखने के निदेश दिए।

कंप्यूटर प्रशिक्षण

उप निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना से प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए राजभाषा विभाग/नि के श्री सुनील कुमार शर्मा, राजभाषा सहायक ग्रेड-I

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण प्रतिष्ठान (उत्तर पूर्वी क्षेत्र), दक्षिण गांव, काहिलीपारा, गुवाहाटी को वर्ष 2011-12 के दौरान हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण के 6 कार्यक्रम आबंटित किए गए हैं। पहले सत्र में निर्माण संगठन से 8 कर्मचारियों ने तथा दूसरे में 13 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में यूनिकोड इन्स्टॉल करना, सादे फॉन्ट में टाइप की गई सामग्री को यूनिकोड में रूपांतरित करना, यूनिकोड पर अभ्यास और अन्य सॉफ्टवेयर की जानकारी के साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जिस्ट टाइपिंग टूल, यूनिकोड, एमएस वर्ड, एक्सेल, पावरप्वाइंट, इंटरनेट एवं ई-मेल आदि का आधारभूत ज्ञान प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णत: नि:शुल्क है। प्रशिक्षण के पश्चात राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की ओर से प्रमाण-पत्र भी दिया जाता है।

पार्श्विक चिंतन (लैटरॅल थिंकिंग)पर दो दिवसीय कार्यशाला

लैटरॅल थिंकिंग पर आयोजित कार्यशाला का ग्रुप फोटो

पूर्वोत्तर सीमा रेल में निष्पादित निर्माण कार्य एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है क्योंकि हमें यहाँ विषम क्षेत्रों में, उग्र वातावरण में और प्रतिकूल मानसून में काम करना पड़ता है। इन विशेष परिस्थितियों में अपने कार्यों को लक्ष्य के अनुसार पूरा करने के लिए अपनी टीम के मनोबल और प्रेरणा के स्तर को ऊँचा बनाए रखने के उद्देश्य से महाप्रबंधक/निर्माण ने "लैटरल थिंकिंग" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 तथा 19 जून, 2011 को अधिकारी क्लब मालीगांव में करवाया।

इस कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए श्री के. आर. रवि को आमंत्रित किया गया जो कि पार्श्विक चिंतन पर व्याख्यान देने के लिए एक प्रमाणित लोक प्रशिक्षक हैं।

श्री के. आर. रवि, प्रमाणित लोक प्रशिक्षक कार्यशाला में महाप्रबंधक/नि और अन्य प्रतिभागियों से चर्चा करते हुए

इस दो दिवसीय कार्यशाला में 35 अधिकारियों ने भाग लिया और इसका पूरा लाभ उठाया। संभवत: इससे उनमें प्रबंधकीय क्षमता बढ़ी है और उनका मनोबल भी ऊँचा हुआ है। इस कार्यशाला में दिए गए प्रशिक्षण का लाभ भी निर्माण विभाग को मिला है। इसके परिणाम स्वरूप कुछ सुधारात्मक एवं कल्याणकारी मामले विचारार्थ सामने आए हैं जिनपर विभिन्न स्तरों पर आवश्यक कार्रवाई भी शुरू हो गई हैं।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

निर्माण संगठन के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए दिनांक 9.5.2011 से 13.5.2011 तक 5 दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियमों, वार्षिक कार्यक्रम तथा राजभाषा संबंधी प्रोत्साहन/पुरस्कार योजनाओं की जानकारी दी गई और कर्मचारियों को टिप्पण और प्रारूप लेखन तथा कार्यालयीन हिंदी व प्रशासनिक एवं रेल शब्दावली के बारे में भी जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

जिरियाम से तुपुल तक नई बी जी लाइन (98 कि.मी.)

तुपुल-इंफाल सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है एवं शीघ्र पूरा होने वाला है। लगातार बंद आदि और वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य के कारण कार्य की प्रगति बुरी तरह प्रभावित हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग-53 की बदतर स्थिति तथा कमजोर/क्षतिग्रस्त पुलों से भी निर्माण सामग्री और मशीनरी का कार्यस्थल तक आवागमन बाधित हो रहा है। सेक्शन के कि.मी. 20.5 से कि.मी. 49.3 (28.80 कि.मी.) तक के लिए पार्ट-IV विस्तृत प्राक्कलन को रेलवे बोर्ड द्वारा 13-12-10 को 1902.71 करोड़ रूपए के लिए स्वीकृत किया गया है।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल :

पुल के उत्तरी और दक्षिणी तटों पर तटबन्धों, मार्गदर्शी बांधों, छोटे एवं बड़े पुलों, स्टेशन निर्माण कार्य, बांधों का उत्थान एवं मजबूतीकरण का कार्य प्रगति पर है ।

साऊथ सड़क वायाडॅक्ट भी प्रगति पर है तथा 5 पाइल फाउंडेशन एवं 103 पाइल पूरी की गई।

उत्तरी तट पहुँच के लिए कुल 8.65 कि.मी. की लम्बाई में से 7.36 कि.मी. भूमि पहले ही प्राप्त की जा चुकी है और शेष 1.29 कि.मी. एक सप्ताह के भीतर सिविल ऑथिरिटी द्वारा पी.डब्ल्यू.डी. को सुपुर्द की जा रही है। दक्षिणी तट पहुँच के लिए कुल 8.0 कि.मी. में से 6.0 कि.मी. भूमि पहले ही प्राप्त कर ली गई है और शेष 2.0 कि.मी. सिविल ऑथिरिटी द्वारा पी.डब्ल्यू.डी. को सुपुर्द करने की प्रक्रिया में है। उत्तरी तट पहुँच के लिए कार्य जुलाई 2010 में आबंटित किया गया और कार्य प्रगति पर है। दक्षिणी तट पहुँच के लिए कार्य 22.2.2011 को आबंटित किया गया और प्रारंभिक व्यवस्था प्रगति पर है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21. 50 कि. मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण)

तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-2010 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है। सभी 12 भू-अधिग्रहण मामलों में सेक्शन 4 (1) तथा 9 भू-अधिग्रहण मामलों के लिए सेक्शन 6 (1) के अधीन गजट अधिसूचना प्रकाशित की गई। मेघालय भाग के लिए सेक्शन 4 (1) के अधीन अधिसूचना जारी की गई।

दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा) तक नई लाइन (88 कि.मी.)

जमीन पर संरेखण के स्टैकिंग सहित दिमापुर से कोहिमा (123 कि.मी.) तक संपूर्ण लम्बाई के लिए एफ एल एस पूरा किया जा चुका है। भू-तकनीकी जाँच प्रगति पर है। दिमापुर के निकट दो स्थानों पर जहाँ संरेखण जैविक उद्यान से होकर गुजरती है, के लिए राज्य सरकार से पहले मांगा गया अनुमोदन अभी भी प्रतीक्षित है। राज्य सरकार से भू-दर का 10 रू. से 60 रू. प्रति वर्ग फुट करने के कारण आई काफी भिन्नता के बारे में पूछा गया है। उनसे इस पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया है एवं उचित स्तर तक दर कम करने का अनुरोध किया गया है। रेलवे बोर्ड ने मई, 2010 में इस कार्य को आर वी एन एल को सौंपने का निर्णय लिया था। यद्यपि अब तक आर वी एन एल द्वारा कार्य निष्पादन हेतु कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 336.17 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का पार्ट-III विस्तृत प्राक्कलन भी रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है। कि.मी. 0 से कि.मी 44 (अगरतला से उदयपुर) तक भू-कार्य तथा छोटे पुलों के लिए ठेका दे दिया गया है एवं कार्य प्रगति पर है।

भैरबी से सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन

सम्पूर्ण लम्बाई तक के लिए भूमि पर संरेखण का स्टेकिंग पूरा किया गया। 2.0 कि.मी. भू-तकनीकी जाँच, 9.00 कि.मी. प्रतिरोधात्मक सर्वेक्षण भी पूरा किया गया। वन भूमि, सरकारी भूमि तथा निजी भूमि को चिन्हित करने के लिए संयुक्त निरीक्षण हेतु मिजोरम सरकार के समक्ष 0.0 से 51.38 कि.मी. का भू-नक्शा सुपुर्द किया गया।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.)

यह परियोजना मेसर्स इरकॉन को निष्पादन हेतु सौंपी गई है। रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित एम.ओ.यू. पर इरकॉन के साथ दिनांक 07-05-10 को हस्ताक्षर किए गए। मेसर्स जियोडाटा, इटली, कंसल्टेंट ने प्रारम्भण रिपोर्ट तथा संरेखण रिपोर्ट (स्टेज-I) इरकॉन को सुपुर्द कर दिया है। 0 से 5 कि.मी. तक वन अनापत्ति हेतु रेलवे द्वारा विधिवत अनुमोदित प्रलेख डीएफओ/दार्जीलिंग को प्रस्तुत किया गया जो अब सचिव, वन विभाग, पश्चिम बंगाल के पास है, जिन्होंने आश्वास्त किया है कि इस प्रलेख को वन्य जीव, राष्ट्रीय बोर्ड/पर्यावरण एवं वन मंत्रालय/नई दिल्ली को 15-03-11 तक अग्रेषित कर दिया जाएगा। 5 से 22 कि.मी. तक सर्वेक्षण हेतु वन विभाग से अनुमति प्राप्त की जा चुकी है।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

यह नया कार्य 4083.02 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत तथा वर्ष 2010-11 के लिए 20.00 करोड़ रूपए के परिव्यय के साथ 2010-11 के रेल बजट में सम्मिलित किया गया है। बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के अंतर्गत बरनीहाट से लईलाड सेक्शन (19.10 कि.मी.) के लिए कुल 883.72 करोड़ रूपए का पार्ट विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति के लिए दिनांक 21-10-10 को रेलवे बोर्ड भेजा गया।

बरनीहाट-शिलांग परियोजना में उनका विशेषज्ञीय परामर्श लेने हेतु भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, शिलांग के साथ एक एम ओ यू प्रक्रियाधीन है। शिलांग में दिनांक 23-05-11 को रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा के लिए नव- गठित टॉस्क फोर्स के साथ बैठक हुई, जिसमें तेतेलिया-बरनीहाट और बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के लिए भू-अधिग्रहण के कारण परियोजनाओं के निर्माण में आ रही समस्याओं को उठाया गया और विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बरईग्राम और बरईग्राम-कुमारघाट (367.79 कि.मी.) :

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत एक नव-निर्मित सुरंग सं.3 (535.0 मी.) और बोइला नदी पर एक बड़े पुल सं.102 सहित 1.46 कि.मी. लम्बी स्थायी विपथन को दिनांक 27.3.2011 को सी.आर.एस. निरीक्षण तथा अनुमोदन पश्चात चालू किया गया।

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत सालछापरा और अरूणाचल स्टेशनों के बीच पुल सं.24 होकर लगभग 14/7-8 से 16/1-2 कि.मी. तक 1.365 कि.मी. तथा पुल सं. 26 होकर 16/2-3 से 17/5-6 कि.मी. तक लगभग 1.294 कि.मी. तक हाल ही में लिंक्ड किए गए स्थायी विपथन का सी.आर.एस. एन.एफ. सर्किल कोलकाता द्वारा निरीक्षण किया जा चुका है। दिनांक 21.5.2011 को अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।

लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

8 स्टेशनों के स्टेशन भवन और आर बी जी कक्षों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। 3 पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॅन) एवं एक पुल (30.50 मीटर के 4 स्पॅन) के स्टील गर्डरों के फेब्रीकेशन के लिए कार्य आदेश साबरमती रेलवे वर्कशॉप को दे दिया गया है और फेब्रीकेशन प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन

2011-12 का परिव्यय

♦ रेलवे बजट (नई लाइन, आमान परिवर्तन एवं दोहरीकरण हेतु संशोधित अनुदान सहित)	=	2392.99 करोड़ रूपये
♦ अतिरिक्त बजटीय सहायता	=	0.00 करोड़ रूपये
♦ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	0.09 करोड़ रूपये
कुल	=	2393.08 करोड़ रूपये

खर्च 2011-12

♦ जून,11 के दौरान खर्च (लगभग)	=	149.97 करोड़ रूपये
	+	0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	149.97 करोड़ रूपये
♦ जून,11 तक संचयी खर्च (लगभग)	=	285.45 करोड़ रूपये
	+	0.00 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	285.45 करोड़ रूपये
परिव्यय का खर्च (%)	=	11.93%

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ पानीटोला-डिब्रूगढ़ टाउन: स्टन्डर्ड II। पैनल इन्टरलॉकिंग तथा एम.ए.सी.एल. द्वारा सिगनलों का अपग्रेडशन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)	पानीटोला से लाहोअल तक 14 स्टेशनों पर कार्य शुरू किया। डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य दिनांक 16.12.2010 चालू किया गया।	
♦ न्यूजलपाईगुड़ी-बारसोई-मालदा टाउन व बारसोई-कटिहार मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	कटिहार मंडल तथा अलीपुरद्वार मंडल के 'ये साइड सिस्टम' क्रमश: दिनांक 26.05.10 तथा 9.6.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए।	कार्य पूरा हुआ।
♦ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	पू.सी.रेल, मालीगांव का मोबाइल स्विचिंग केंद्र तथा रंगिया मंडल का 'ये साइड सिस्टम' देख-रेख हेतु क्रमश: 25.03.10 तथा 30.03.10 को ओपन लाइन को सौंप दिया गया।	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास	90%	निधि की अनुपलब्धता तथा साइट क्लियरेंस के कारण कार्य बंद पड़ा है।
♦ न्यू बंगाईगांव-वर्कशाप आरसीसी बाउंडरी वॉल	73%	3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ.दिनांक 7.6.10 से कार्य बंद है।
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार	57%	31.12.11
♦ सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	50%	31.12.11

वर्ष 2011-12 के लक्षित कार्य

- ♦ मैनागुड़ी रोड से न्यू चेंगराबांधा नई लाइन
- ♦ हारमुती से नाहरलागुन नई लाइन
- ♦ रंगिया से रंगापाड़ा नॉर्थ आमान परिवर्तन
- ♦ न्यूमाल जंक्शन से मैनागुड़ी रोड आमान परिवर्तन

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	गुवाहाटी-लमडिंग-तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ दोहरीकरण	2010-11	असम	80%	मई, 2011
2.	जोगीघोपा से बरपेटा, सर्थेबाड़ी, हाजो तथा सुवालकुचि होकर गुवाहाटी तक नई लाइन	2010-11	असम	70%	मई, 2011
3.	पासीघाट-तेजु-परसुरामकुंड तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरुणाचल प्रदेश	35%	दिसंबर, 2011
4.	मिसामारी-रावांग तक नई लाइन	2010-11	असम तथा अरुणाचल प्रदेश	30%	जनवरी, 2012
5.	न्यू बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या (दोहरीकरण)	2010-12	असम	5%	दिसंबर, 2011

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन की परिपाटी के अनुसार पिछली तिमाही में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए अप्रैल, मई तथा जून, 2011 में विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालदा के कार्यालय से 30 जून, 2011 को सेवानिवृत्त हुए श्री सुशील चंद्र दास, प्रधान लिपिक की श्रीमती तथा दो बेटियाँ भी इस समारोह में सम्मिलित हुईं। महाप्रबंधक/निर्माण ने उन्हें भी उपहार दिए। महाप्रबंधक/निर्माण ने यह परम्परा जून माह से शुरू करवाई है और इसकी सभी ने सराहना की। निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

मुराधि/निर्माण का पदस्थापन

श्री बकरीदन, मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का दिनांक 29.3.2011 को पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर में स्थानांतरण होने पर श्री सुभाष चंद्र रजक, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-3 ने दिनांक 5.4.11 से तदर्थ तथा 5.5.2011 से नामित मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का पदभार ग्रहण किया।

अपीलीय प्राधिकारी तथा लोक सूचना अधिकारी का नामन

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के उपबंधों के अनुसरण में श्री टी.पी.आर. नारायण राव, मुख्य इंजीनियर/नि/मुख्यालय को अपने कार्य के अतिरिक्त पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण संगठन के अपीलीय प्राधिकारी के रूप में नामित किया गया है और श्री मोहिंदर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सामान्य को अपने कार्य के अतिरिक्त पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण संगठन के लोक सूचना अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

स्वागत

श्रीमती गिरिजा चंद्रमौली, मध्य रेल से दिनांक 8.4.2011 को उप वि.स. एवं मुलेधि/नि/।। के पद पर पदस्थापित हुईं।

श्री जे.जे. बोड़ा, मुख्य सामग्री प्रबंधक/सेल्स/पूर्वोत्तर सीमा रेल दिनांक 19.5.2011 को भंडार नियंत्रक/नि के पद पर पदस्थापित हुए।

महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा बोगीबिल पुल परियोजना का निरीक्षण

श्रीमती विजया कान्त, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 07.05.11 को बोगीबिल पुल परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक/निर्माण ने डिब्रूगढ़ के पूर्व सांसद, श्री एस. सोनोवाल से भी बोगीबिल पुल परियोजना की प्रगति के संबंध में एक बैठक की तथा उन्हें बताया कि अधिसंरचना की निविदा के निपटान के पश्चात 4 साल के भीतर पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। महाप्रबंधक/निर्माण ने बोगीबिल पुल परियोजना के डिब्रूगढ़ तथा सिलापथार यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतरीन कार्य निष्पादन तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए 30,000/- रूपए का नकद पुरस्कार स्वीकृत किया।

आजादी की बलिवेदी

यूहीं नहीं मिली आजादी
खून बहाकर ली है,
भारत के कितने वीरों की
इस पर बलि चढ़ी है।

माताओं की गोद हुई खाली
सुहागिनों के लुटे सुहाग,
घरों के कुलदीपक बुझ गए
कितने बच्चे हुए अनाथ।

संत-कवि-महापुरूषों ने
स्वराज का अलख जगाया,
सिर पर कफन बांध कर
आजादी का मशाल जलाया।

हंसते हंसते सूली चढ़ गए
वे पक्के क्रांतिकारी थे,
तन-मन-धन न्यौछावर कर गए
वे सच्चे स्वतंत्रता सेनानी थे।

भारत माँ के लाल थे
वे ऐसे महा बलिदानी थे,
देश पर कुर्बान हो गए
वे आजादी के दीवाने थे।

इस आजादी पर आँच न आए
आओ मिलकर संकल्प करें,
इसकी खातिर मर-मिट जाएं
आओ हम सब यह प्रण करें।

आजादी की बलि बेदी पर
जयहिंद का नारा बुलंद करें,
आजादी के वीर शहीदों को
शत्-शत् बार नमन करें।

-जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/नि

शोक

-लघु कथा

"बेटा टीवी जरा धीमे कर दो, बल्कि मैं तो कहता हूँ कि बंद ही कर दो। तुम्हें पता नहीं अभी परसों ही पड़ोस वाले सक्सेना अंकल का निधन हुआ है। अभी चौथा भी नहीं हुआ है। आवाज बाहर तक जाती है, अच्छा नहीं लगता।"

सुभाष ने पास आकर अपने बीस वर्षीय बेटे विवेक को समझाने का प्रयास किया। "अरे पापा कितना इंपार्टेंट मैच आ रहा है। और आज मेरी छुट्टी भी है। उन्हें मरे दो दिन हो गए हैं न। अब कितने दिन शोक मनाया जाएगा।" विवेक ने बिना गर्दन घुमाए जवाब दिया।

"पर बेटा आवाज बंद करके भी तो मैच देख सकते हो। तुम तो जानते ही हो कि वे मेरे कितने अच्छे मित्र थे। हमारा रोज का उठना बैठना था।" सुभाष ने एक बार फिर प्रयास किया। "अरे पापा आप भी किस सदी की बात कर रहे हैं। इस देश में तो कितने लोग रोज मर रहे हैं। तो क्या हम रोज टीवी न देखें। वैसे भी कोई अपने घर का थोड़े ही मरा है। फिर हम क्यों इतना शोक मनाएं।"

बेटे की नजरें अब भी टीवी से हटी नहीं थीं। सुभाष का मन हुआ कि खुद ही टीवी बंद कर दे, पर बेटे के तेवर देख ऐसा कर न सका। उसके तर्क सुन वह और कुछ तो नहीं कह सका, बस केवल इतना ही बोल पाया "बेटे यदि तुम इसी मानसिकता पर चलते रहे तो देखना एक दिन अपने बाप का शोक भी नहीं मनाओगे।"

- दैनिक जागरण से साभार

रूकना तो चाहे बहुत
लेकिन है अराहाय,
बेटी बदली नीर की
जाने कब उड़ जाए।

-उर्वशी से

कैसी नियती कठोर है
कैसा सृष्टि विधान,
वरदानों की पाण्डुलिपि
करनी पड़ती दान।

-उर्वशी से

स्थानांतरण

श्री एन. ब्रह्मा, उप मुख्य इंजीनियर/नि का दिनांक 29.4.2011 को महाप्रबंधक/नि के सचिव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री ए. कछारी, महाप्रबंधक/नि के सचिव का दिनांक 29.4.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/ सर्वे के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/ सर्वे का दिनांक 29.4.2011 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/ मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री वी. सुधाकर राव, भंडार नियंत्रक/नि का दिनांक 19.5.2011 को मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री सुखबीर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/जिरिबाम का दिनांक 24.5. 2011 को पूर्व रेलवे पर स्थानांतरण हुआ।

श्री रवींद्र कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/मालदा का दिनांक 24.5.2011 को पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव (ओपन लाइन) में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/।/कटिहार के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एम.के. पाण्डेय, उप मुख्य इंजीनियर/नि/स्पेशल/डिब्रूगढ़ का दिनांक 24.5.2011 को उप मुख्य इंजीनियार/नि/समन्वय, मालीगांव के रूप में स्थानांतरण हुआ।

श्रद्धांजलि

श्री रजब अली, मुख्य विधि सहायक/नि का दिनांक 18.4.2011 को देहांत हो गया। दिवगंत अली की आत्मा की शांति के लिए निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में दिनांक 19.4.2011 को शोक सभा आयोजित की गई।

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जुलाई, श्री पी.के. डेका, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि/।
05 जुलाई, श्री सुशील कुमार, उप मुख्य इंजी./नि/अलीपुरद्वार
08 जुलाई, श्री टी.टी. भूटिया, उप मुख्य इंजी./नि/।।/ सिलापथार
08 जुलाई, जी.सी. सरकार, उप मुख्य इंजी./नि/रंगिया
09 जुलाई, श्री के.एल. मीणा, उप मुख्य इंजी./नि/अभिकल्प-।
15 जुलाई, श्री श्याम सुंदर कालरा, मुख्य इंजी./नि/।।
31 जुलाई, श्री एस.पी. देशमुख, उप मुख्य इंजी./नि/ I/जिरिबाम
06 अगस्त, श्री अभिजीत मजुमदार, उप मुख्य इंजी./नि/अभि-।।
21 अगस्त, श्री टी.पी.आर. नारायण राव, मुख्य इंजी./नि/मुख्यालय
23 अगस्त, श्री एम.वी. प्रसाद, उप मुख्य इंजी./नि/अगरतला
04 सितंबर, श्री आर.एस. सिंह, उप मुख्य विजली इंजी./नि/2/मालीगांव
13 सितंबर, श्रीमती गिरिजा चंद्रमौली, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि/।।

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 जुलाई, श्री के.वी. वाईपेई, वि.स. एवं मुलेधि/नि/।
21 जुलाई, श्री एस.पी. सिंह, उप मुख्य इंजी./नि/एन जे पी
15 अगस्त, श्री जी.सी. सरकार, उप मुख्य इंजी./नि/रंगिया

रेल की भाषा, मेल की भाषा, देश की भाषा, हिंदी भाषा।

नव निर्मित बागडोगरा स्टेशन भवन